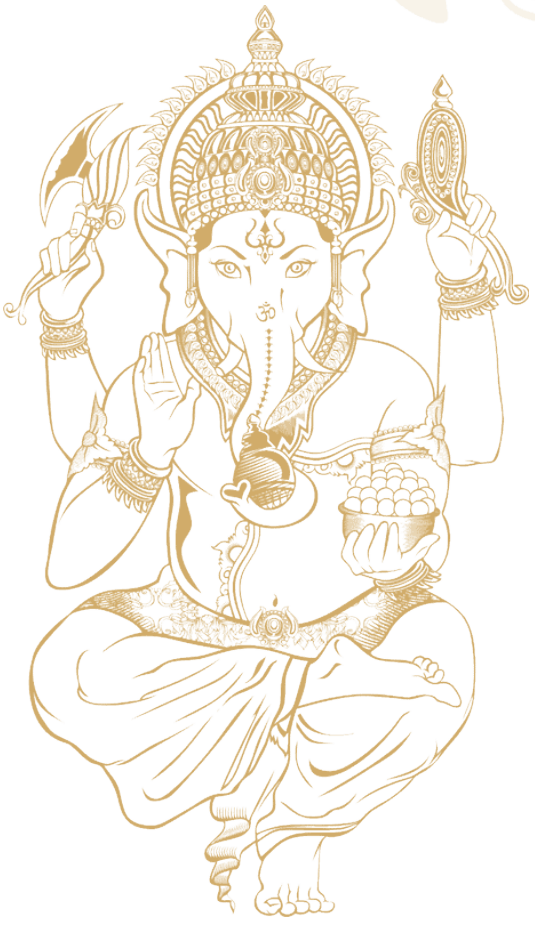

Rakesh

Janvi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121530105

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/10/1997	जन्म तिथि	25/09/2001
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 14:06:00	जन्म समय	22:30:00 घंटे
घटी 18:38:27	जन्म समय(घटी)	39:44:37 घटी
India	देश	India
Rajkot	स्थान	Godhra
22:18:00 उत्तर	अक्षांश	22:49:00 उत्तर
70:53:00 पूर्व	रेखांश	73:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:46:28	स्थानिक संस्कार	-00:35:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:38:37	सूर्योदय	06:25:02
18:32:08	सूर्यास्त	18:28:40
23:49:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:35

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 1मा 21दि	27:00:09	धनु	लग्न	वृष	20:44:16	शुक्र 4वर्ष 7मा 11दि
गुरु	16:20:54	कन्या	सूर्य	कन्या	08:48:51	मंगल
24/11/2016	04:29:31	तुला	चंद्र	धनु	23:35:21	08/05/2022
24/11/2032	09:16:47	वृश्चि	मंगल	धनु	15:31:01	08/05/2029
गुरु 12/01/2019	08:11:51	कन्या	बुध	तुला	03:55:29	मंगल 05/10/2022
शनि 25/07/2021	18:18:25	मक व	गुरु	मिथु	19:33:28	राहु 23/10/2023
बुध 31/10/2023	00:34:02	वृश्चि	शुक्र	सिंह	11:45:42	गुरु 28/09/2024
केतु 06/10/2024	23:37:13	मीन व	शनि	वृष	21:05:29	शनि 07/11/2025
शुक्र 07/06/2027	25:52:19	सिंह व	राहु व	मिथु	08:01:12	बुध 04/11/2026
सूर्य 25/03/2028	25:52:19	कुंभ व	केतु व	धनु	08:01:12	केतु 02/04/2027
चन्द्र 25/07/2029	10:57:47	मक व	हर्ष व	मक	27:31:40	शुक्र 01/06/2028
मंगल 01/07/2030	03:21:54	मक व	नेप व	मक	12:15:06	सूर्य 07/10/2028
राहु 24/11/2032	09:42:30	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:57:40	चन्द्र 08/05/2029

लग्न-चलित

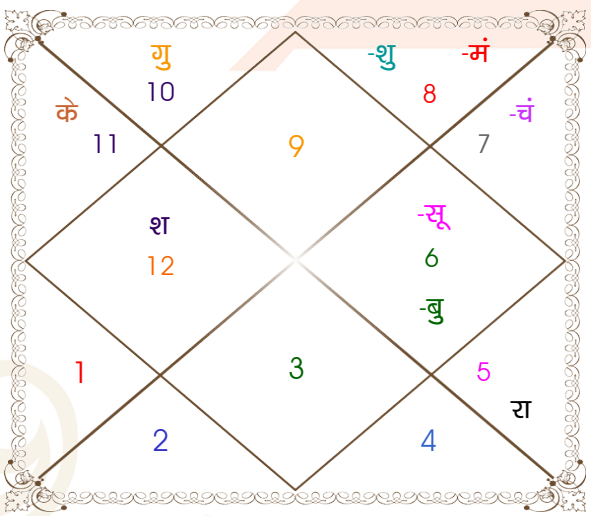

लग्न-चलित

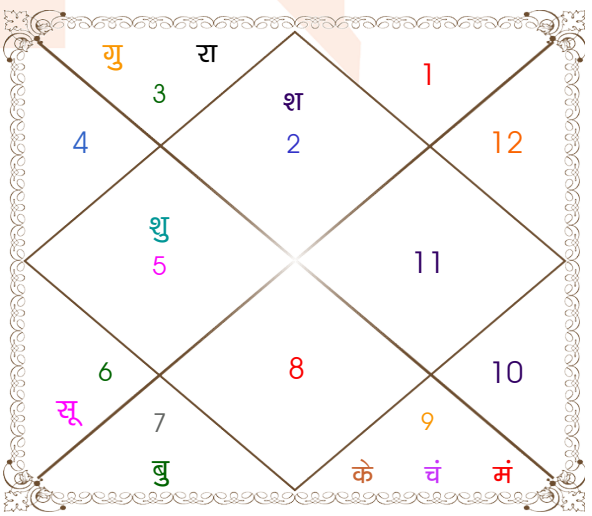

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	वानर	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	11.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Rakesh का वर्ग मृग है तथा Janvi का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rakesh और Janvi का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Rakesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Rakesh कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Rakesh कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Janvi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Janvi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Rakesh तथा Janvi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।